देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 291 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...लोकतंत्र की ताकत

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 27 फरवरी 2022

मौसम अधिकतम 15.0° न्यूनतम 6.0° | 40243.39

2 कीव पर बम बरसा रही रूसी सेना | 7 आगामी वर्ल्ड कप में टीम का उपकप्तान

मुझे हथियार चाहिए, सवारी नहीं

जेलेंस्की ने ठुकराया यूक्रेन छोड़कर भागने का अमेरिकी ऑफर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के तीसरा दिन में रूसी सेना ने कीव पर अपनी सेना के साथ अपनी बढ़त जारी रखी है, जो अब शहर के केंद्र से 30 किमी दूर है। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने देश भर में कड़ा प्रतिरोध जारी रखा है। यह जानकारी ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने दी है। रूस से जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम कीव और शहर के हर जरूरी कोने को कंट्रोल कर रहे हैं। जो हमारे साथ आना चाहते हैं और मदद करना चाहते हैं कर सकते हैं, हम आपको हथियार देंगे। हमें इस जंग को खत्म करना होगा। हम शांति में जी सकते हैं।

यूक्रेन ने अपने नागरिकों से हथियार उठाने के लिए कहा है। वहीं रूस की सेना अब कीव पहुंच चुकी है। कीव से लगातार सैनिकों के मरने, मिसाइल हमलों और उपद्रव की खबरें आ रही हैं। इन हालात में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कसम खाई है कि वह कीव में ही रहेंगे और देश की रक्षा करेंगे। उन्होंने देश छोड़कर भागने के अमेरिकी ऑफर को भी ठुकरा दिया है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को अमेरिकी सरकार ने राजधानी कीव से निकलने के लिए कहा था। लेकिन जेलेंस्की ने इससे इनकार कर दिया। मामले से परिचित अमेरिका के खुफिया विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बोले, यहां युद्ध चल रहा है। मुझे गोला बारूद चाहिए, सवारी नहीं।

रूस ने अमेरिकी यात्रा पर लगाया प्रतिबंधः यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए सैन्य कार्रवाई को लेकर नाराज अमेरिका ने पहले आर्थिक प्रतिबंध लगाए। साथ ही वहां के एलिट वर्ग के लोगों पर रोक लगा दिया था और अब राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और विदेश मंत्री लावरोव पर अमेरिका ने यात्रा प्रतिबंध का एलान किया है।

हंगरी पहुंच रहे हैं भारतीय छात्र
हंगरी में भारतीय दूतावास ने बताया है कि भारतीय छात्रों के बैच जहोनी क्रॉसिंग पर यूक्रेन से हंगरी में प्रवेश कर रहे हैं। ये अब बुडापेस्ट की यात्रा करेंगे जहां से इन्हें आज एयर इंडिया के विमान से माध्यम से भारत ले जाया जाएगा। दूतावास ने हंगरी के रास्ते यूक्रेन से निकलने वाले भारतीय छात्रों के लिए एडवायजरी भी जारी की है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से मांगा समर्थन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि पीएम मोदी को रूस की आक्रामकता को लेकर यूक्रेन के रुख की जानकारी दी। एक लाख से अधिक रूसी आक्रमणकारी हमारे देश में हैं। वो आवासीय भवनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर रहे हैं। हमने भारत से यूएनएससी में समर्थन देने का अनुरोध किया है।

रूस के सैन्य अभियान में 198 यूक्रेनियन मारे गए

यूक्रेन के स्वास्थ्य मंत्री विक्टर लिआशको ने कहा कि गुरुवार को रूस–यूक्रेन संकट बढ़ने के बाद से अब तक तीन बच्चों सहित कुल 198 यूक्रेनियन मारे गए हैं। लिआशको ने एक फेसबुक पोस्ट में यूक्रेन में अब तक रूसी सैन्य अभियान में हताहतों की संख्या साझा की है। इसके साथ ही पोस्ट में उन्होंने यह भी कहा कि तीन दिनों की लड़ाई में 1,115 यूक्रेनियन घायल हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि घायलों की कुल संख्या में से 33 बच्चे थे।

संयुक्त राष्ट्र में रूस ने छोड़ा ब्रह्मास्त्र

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन में तबाही मचा रहे रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए प्रस्ताव को रोकने के लिए वीटो पावर का इस्तेमाल किया है। हालत यह रही कि सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में 11 ने रूस के खिलाफ मतदान किया। वहीं, भारत, यूएई और चीन ने रूस के खिलाफ आए प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया। रूस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और उसने इस प्रस्ताव को गिराने के लिए अपने वीटो पावर का इस्तेमाल किया। रूस के वीटो करते ही यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। अमेरिका और नाटो देशों ने दलील दी कि इससे रूस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग थलग पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटों में कोरोना के 11,499 नए मामले आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर सुधार के पड़ाव में है। वायरस के नए मामले दिन–ब–दिन कम दर्ज किए जा रहे हैं। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 11,499 नए मामले सामने आए हैं। वहीं वायरस से 23 हजार 598 मरीज ठीक हुए हैं। इस दौरान 255 मरीजों की मौत हो गई है। इसी के साथ देशभर में नए मामलों की संख्या बढ़कर 4 करोड़ 29 लाख 5 हजार 844 (42,905,844) हो गई है।

रोमानिया से भारतीयों को लाने वाली पहली फ्लाइट रात्री नौ बजे पहुंची मुंबई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रोमानिया से भारतीयों को लाने वाली पहली फ्लाइट रात्री नौ बजे मुंबई पहुंची। यूक्रेन से वापस आ रहे भारतीयों की अगवानी के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और वी मुरलीधरन को जिम्मेदारी दी गई है। भारतीय सरकारी चार्टर्ड उड़ानों से लौट रहे हैं।

यूक्रेन में फंसे हैं उत्तराखंड के 188 नागरिकः सीएम

शासन ने 188 उत्तराखंड के नागरिकों की लिस्ट विदेश मंत्रालय को भेजी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड के कुल 188 छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। हम विदेश मंत्रालय और भारत सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। हमारे अधिकारी हमारे छात्रों को सुरक्षित निकालने के लिए काम कर रहे हैं। माता–पिता को उनके बच्चों को सुरक्षित निकालने का आश्वासन दिया है। उधर, डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि हमें उत्तराखंड के 188 लोगों के यूक्रेन में फंसे होने की सूचना मिली है। विदेश मंत्रालय उन्हें बाहर निकालने के लिए जरूरी इंतजाम कर रहे हैं। उत्तराखंड का हेल्पलाइन नंबर 112 है।

यूक्रेन में फंसे उत्तराखंड के नागरिकों की संख्या 188 हो गई है। शनिवार दोपहर तक हेल्पलाइन नंबर पर 188 नागरिकों के यूक्रेन में होने की सूचना है। शासन की ओर से यह लिस्ट विदेश मंत्रालय को भेज भेज दी है।

शासन की ओर से दो और नोडल अधिकारी बनाएंः शासन की ओर पुलिस उपमहानिरीक्षक कानून व्यवस्था पी रेणुका व पुलिस अधीक्षक कानून व्यवस्था प्रमोद कुमार को नोडल अधिकारी बनाया है। कोई भी व्यक्ति डीआइजी पी रेणुका के मोबाइल 7579278144 और पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार के मोबाइल नंबर 983778889 पर संपर्क कर सकते हैं।

छात्रों के सकुशल स्वदेश वापसी के लिए किया गंगा पूजनः ऋषिकेश गंगा आरती ट्रस्ट ने पूर्णानंद घाट में महिलाओं ने पूजन–अर्चना कर यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र–छात्राओं की सकुशल स्वदेश वापसी की प्रार्थना की। साथ ही रूस और यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध को समाप्त होने की भी प्रार्थना की।

यूक्रेन में फंसे दून के छात्रों के लिए हेल्पलाइन शुरू

यूक्रेन में फंसे देहरादून के छात्रों के लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन शुरू की है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) केके मिश्रा ने बताया कि रूस व यूक्रेन के युद्ध के चलते विकट हुए हालात में उत्तराखंड के नागरिक वतन लौट पाने में असमर्थ हो गए हैं। ऐसे में यूक्रेन में फंसे व्यक्ति 01352726066, 1077 (टोल–फ्री) व 7534826066 पर फोन कर नाम, यूक्रेन में पता, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज करा सकते हैं। ई–मेल से deoc-pgrc-ddn@gmail.com पर भी जानकारी भेज सकते हैं। सहायता के लिए आपातकालीन नंबर 112 पर भी काल कर सकते हैं।

अधिकारियों के समन्वय के बाद ही कहीं निकलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग पर भारत सरकार भी बारीक नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल को यूक्रेन में मौजूदा हालात और वहां फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। यूक्रेन संकट को लेकर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक आज भी हो सकती है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों को यूक्रेन में मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। सरकार रोमानिया और हंगरी समेत अपने पड़ोसी देशों से विशेष उड़ानें संचालित कर यूक्रेन से भारतीयों को वापस ला रही है। उड़ानों के लिए यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद भारत के लिए उड़ान भरने से पहले भारतीय नागरिकों को यूक्रेन के सीमावर्ती इलाकों और देशों में भेजा जा रहा है। यूक्रेन से भारतीयों को लेकर एयर इंडिया का एक विमान रोमानिया से मुंबई के लिए उड़ान भर चुका है। आने वाले दिनों में कई और निकासी उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। इस बीच यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने शनिवार को वहां फंसे अपने नागरिकों से बेहद सतर्कता बरतने को कहा है। वहीं भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को यूक्रेन से बाहर निकलने के लिए अधिकारियों से समन्वय के बिना किसी सीमा ओर नहीं बढ़ने की हिदायत दी है।

वहीं शिक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों से विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास के निर्देशों का पालन करने को कहा है। शिक्षा मंत्रालय ने यह भी भरोसा दिया है कि भारत सरकार उन्हें यूक्रेन से वापस लाने के लिए हरसंभव कोशिशें कर रही है।

एडवाइजरी

■भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, फिर हो सकती सीसीएस की बैठक

अफगानिस्तान में हालात बेहद खराब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जलालाबाद। खाद्यान्न संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान को भारत सरकार ने मानवीयता के आधार पर गेहूं की पहली खेप पहुंचाई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2500 मीट्रिक टन गेहूं की खेप का पहला काफिला शनिवार को सुबह जलालाबाद पहुंचा। गेहूं की यह पहली खेप पाकिस्तान से होते हुए अफगानिस्तान पहुंची है। बुधवार को आईसीपी अटारी से 50 ट्रक पाकिस्तान से होते हुए अफगानिस्तान के लिए रवाना किए गए थे। इस बीच संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि अफगानिस्तान में हालात खराब हैं।

भारत के विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने इन्हें हरी झंडी दिखाई थी। इस मौके पर अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुन्दजई भी मौजूद थे। अन्न के संकट से जूझ रहे अफगानिस्तान को भारत मानवीयता के आधार पर 50 हजार मीट्रिक टन गेहूं भेज रहा है। पहली खेप जो पाकिस्तान से होते हुए अफगानिस्तान पहुंची है।

विदेश सचिव श्रृंगला ने कहा था कि पहली खेप में 10 हजार मीट्रिक टन गेहूं भेजा गया है।

अफगानिस्तान को भारत ने गेहूं की पहली खेप पहुंचाई